Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना i
समर्पण ii
प्रकाशकीय iii
प्राक्कथन iv
अनुक्रमणिका v
प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत ..... vi-vii
हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य viii
हस्तप्रत सूची १-४७२
परिशिष्ट : कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या ४७३-५९६
१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - १ ..... ४७३-५०३
२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - २ ..... ५०४-५९६

इस सूचीपत्र में हस्तप्रत, कृति व विद्वान/व्यक्ति संबंधी जितनी भी सूचनाएँ समाविष्ट की गई हैं, उन सबका विस्तृत विवरण व टाइप सेटिंग संबंधी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ vi एवं परिशिष्ट परिचय संबंधी सूचनाएँ भाग ७ के पृष्ठ ४५४ पर है. कृपया वहाँ पर देख लें.

प्रस्तुत **खंड ११** में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - ४३४६१ से ४८१३५
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से ३५१२ प्रतों की सूचनाओं का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल ४२५७ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ४५३९ कृतियों का इस सूची में समावेश हुआ है.
- सूची में उपरोक्त कृतियोँ कुल ६५३९ बार आई हैं.

For Private and Personal Use Only